International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

[1]सुमन सिहाग एवं [2]डॉ. संदीप शर्मा

[1]रिसर्च फैलो, पीएच.डी. (शिक्षा), महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान)
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, ग्रामोत्थान विद्यापीठ शिक्षा महाविद्यालय, संगरिया – 335063 (राजस्थान)

सारांश :–

राष्ट्रीयता एक प्रेरणा है जो किसी भी राष्ट्र के कल्याण के लिये जरूरी है, इसी के साथ राष्ट्र की वैश्विक उन्नति के लिये नागरिकों में राष्ट्रीयता के मूल्यों के साथ–साथ आधुनिकीकरण को भी स्वीकार करना होगा। प्रस्तुत शोध का उद्धेश्य हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इस हेतु प्रमापीकृत मापनी उपकरण का प्रयोग किया गया है। सांख्यिकी में परिकल्पनाओं के सांख्यिकी विश्लेषण मध्यमान, प्रमापविचलन व टी–मूल्य द्वारा प्राप्त निष्कर्ष में हिंदी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पाया गया है ।

प्रस्तावना :–

किसी समाज के समस्त व्यक्ति किसी निर्दिष्ट भौगोलिक सीमा में विभिन्नताओं के साथ सामूहीकरण की भावना से प्रेरित होकर एकता के सूत्र में बँध जाते हैं तो उसे राष्ट्र कहते हैं। ''व्यक्ति राष्ट्र के लिए, राष्ट्र व्यक्ति के लिए नहीं'', यह राष्ट्रवादी द्वारा रचित पंक्ति किसी भी राष्ट्र के लिए सर्वोपरि है।

राष्ट्रीयता एक ऐसा भाव है जो किसी भी नागरिक को अपने हितों को त्याग कर राष्ट्र के कल्याण व उन्नति के लिए प्रेरित करता है। वस्तुतः हमें राष्ट्रीयता को सम्पूर्णता में ही देखना होगा, यह तभी सम्भव है, जब हम राष्ट्रीयता को केवल जाने ही नहीं अपितु आत्मसात् भी करें। व्यक्ति के चरित्र व आचरण से ही राष्ट्रीयता का बोध होता है।

भारत में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर डॉ. कानूनगो ने भी कहा है कि जनसंख्या में असाधारण विविधता होते हुए भी देश के उत्थान के लिए कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य करना ही देश की एकता को दर्शाता है। राष्ट्रीयता की भावना की प्रत्येक देश को आवश्यकता है और उसे बनाये रखने के लिए प्रयास भी आवश्यक है। व्यक्ति के विकास में उसके परिवार, समाज और सम्पूर्ण राष्ट्र का महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षा मनुष्य को पशुत्व से मनुष्यत्व की ओर लेकर आती है। यह तभी सम्भव है, जब विद्यालय में शिक्षक द्वारा उसके विचारों तथा भावनाओं को सुविचारित अध्यापन और प्रेरणात्मक कार्यों द्वारा सहज किया जाए तथा राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों की ओर उन्मुख किया जाये और बदलते हुए समाज में आवश्यकतानुसार आधुनिकीकरण को स्वीकार करने हेतु प्रेरित किया जाये। जिस प्रकार से सारे शरीर में व्याप्त आत्मा जागृत होने पर मनुष्य का जीवन पथ आलोकमय कर देती है, उसी प्रकार आत्मत्व के स्तर तक राष्ट्रीयता का विकास भागीरथ प्रयत्न की अपेक्षा रखता है। आधुनिक युग विज्ञान व तकनीकी का युग है। इस युग मे वैज्ञानिकों ने जो खोजे की है, जो आविष्कार

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

किये हैं, उनसे समाज में क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं। इन परिवर्तनों को स्पष्ट करने के लिए विद्वानों ने आधुनिकीकरण जैसी अवधारणा का प्रयोग किया।

आधुनिकीकरण :–

आधुनिकीकरण कोई दर्शन या आन्दोलन नहीं है जिसमें स्पष्ट मूल्य व्यवस्था हो। यह तो परिवर्तन की एक प्रक्रिया है। सामान्यतः परिवर्तन की प्रक्रिया को आधुनिकीकरण कहा जाता है। यह प्रक्रिया परम्परावादी समाज को ऐसे समाज में परिवर्तित करने का प्रयास करती है जिसका आधार विज्ञान एवं तकनीक हो। आधुनिकीकरण ऐसी प्रक्रिया है जो पुराने परम्परावादी समाज एवं राष्ट्रों को सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं शिक्षा के क्षेत्रों में नवीनता की ओर अग्रसर करती है।

आधुनिकीकरण का अर्थ है, किसी सामाजिक पद्धति में अपने भीतर एवं बाहर से सूचनाएँ एकत्र करने और उनके प्रति उचित रूप से प्रतिक्रिया करने की क्षमता में वृद्धि।

आधुनिकीकरण स्थिर समाजों की अपेक्षा गतिशील समाजों में अधिक तीव्रता से होता है। गतिशील समाजों का अभिप्राय उन समतावादी तथा जनतन्त्रीय समाजों से हैं जिनका आर्थिक विकास जनतन्त्रीय विधियों पर आधारित हैं।

राष्ट्रीयता का अर्थ :–

राष्ट्रीयता एक ऐसा भाव तथा शक्ति है जो व्यक्तियों को अपने व्यक्तिगत हितों को त्याग कर राष्ट्र कल्याण के लिए प्रेरित करती है। इस भावना के विकसित हो जाने से राष्ट्र की सभी छोटी व बड़ी सामाजिक ईकाइयाँ अपनी संकुचित सीमा के ऊपर उठकर अपने आपको समस्त राष्ट्र का अंग समझने लगती है। राष्ट्रीयता का अर्थ केवल राज्य के प्रति अपार भक्ति ही नहीं अपितु इसका अभिप्राय राज्य तथा उसके धर्म, भाषा, इतिहास तथा संस्कृति में भी पूर्ण श्रद्धा रखना है।

'सच्ची राष्ट्रीयता अपने राष्ट्र से प्रेम करना तो सिखाती है परन्तु दूसरे देशों से घृणा करना नहीं।' यह दूसरे देशों के प्रति घृणा और सहानुभूति–हीनता को प्रेरित नहीं करती। एक सच्चा राष्ट्रवादी दूसरों की उन्नति, खुशहाली तथा शान्ति के लिए केवल प्रार्थना ही नहीं करता बल्कि इस दिशा में ठोस कार्य भी करता है। भारत विश्व–शान्ति के लिए हर समय भरसक प्रयत्न करता रहता है। भारत का यह दृष्टिकोण दूसरे देशों के प्रति उसकी सद्भावना को प्रकट करता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि हम में 'राष्ट्रीयता' की कमी है। इससे यह सिद्ध होता है कि राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता एक दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं। यह संकीर्ण राष्ट्रीयता ही है जो राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना में विरोध उत्पन्न करती है।

शोध की आवश्यकता एवं महत्व :–

किसी भी क्षेत्र में जब भी कोई शोध कार्य किया जाता है तो सर्वप्रथम यह देखा जाता है कि विभिन्न दृष्टिकोणों से उस समस्या का हल कितना आवश्यक है तथा इससे समाज व राष्ट्र को क्या व

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

कितना लाभ होगा? शिक्षा विकास का मूलाधार है। शिक्षा के अभाव में विकास असम्भव है। जब बालक का जन्म होता है, वह पूर्णतः असामाजिक व असभ्य होता है, उसे सभ्य व सामाजिक बनाने में विद्यालय तथा शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में प्रत्येक विद्यालय बालकों को मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है और विद्यार्थियों का आधुनिकीकरण करने में सहयोग करता है।

किशोरावस्था व्यक्तित्व निर्माण की महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इसी अवस्था में बालक परिवार, समाज तथा विद्यालय से विभिन्न मूल्यों, व्यवहारों व सम्प्रत्यों को ग्रहण करता है। इसी के साथ ही किशोर विद्यार्थी उच्च विद्यालयी शिक्षा में माध्यम का चयन कर लक्ष्य निर्धारित करता है। हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के छात्र व छात्राओं में आधुनिकीकरण व राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण में कोई अन्तर है अथवा नहीं तथा आधुनिकीकरण के प्रति उनकी धारणा का उनके मूल्यों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, जैसे प्रश्नों के उत्तर जानने एवं इस समस्या के समाधान के लिए शोधकर्त्री ने सम्बन्धित विषय का चयन किया है।

शोध कथन

''हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।''

शोध के उद्देश्य

1. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के कला संकाय के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के विज्ञान संकाय के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

शोधकर्त्री ने शोध के सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए शून्य परिकल्पनाएँ निर्धारित की है, जो निम्न हैं।

1. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

5. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
6. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
7. हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शोध का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन को राजस्थान राज्य के श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिलों तक सीमित रखा गया है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य को उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों तक सीमित रखा गया है।
3. प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श को 1200 शिक्षार्थियों तक सीमित रखा गया है।
4. प्रस्तुत शोध कार्य को ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के छात्र–छात्राओं तक सीमित रखा गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा न्यादर्श का चुनाव स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति के माध्यम से किया गया है तथा न्यादर्श के रूप में राजस्थान राज्य के श्रीगंगानगर जिले व हनुमानगढ़ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों को चयनित किया गया है, जो निम्न प्रकार से हैं :–

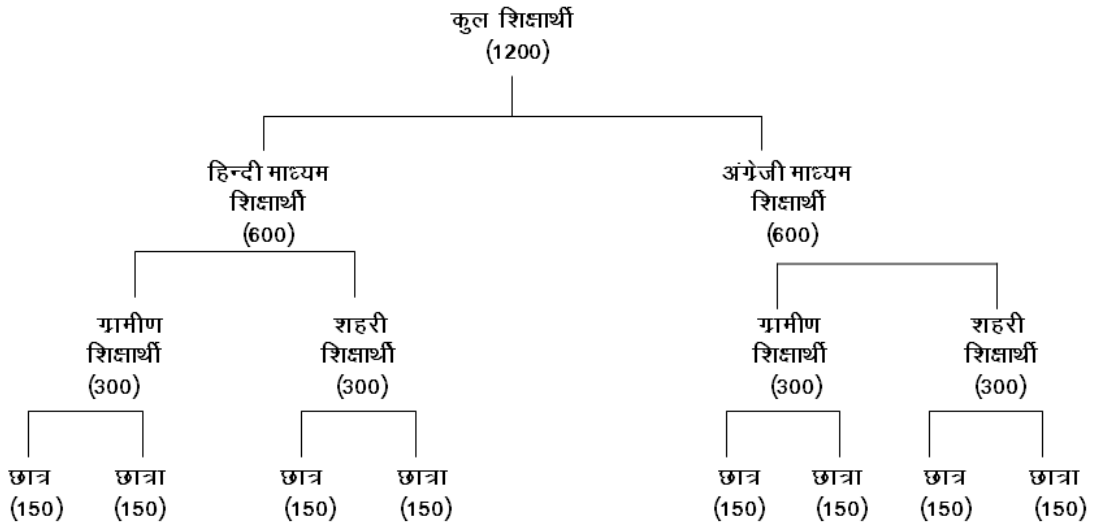

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

शोध अध्ययन में प्रयुक्त विधि :– प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा वर्णानात्मक विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण :–

(1) **आधुनिकीकरण प्रमापनी** – राघवेन्द्र एस. सिंह, अमरनाथ एन. त्रिपाठी व रामजी लाल
(2) **राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य सम्बन्धी प्रमापनी** – डॉ. वी. रनसिंग, डॉ. जे. शिवालकर, डॉ. पी. जोगलेकर

शोध सांख्यिकी :– प्रस्तुत शोध में निम्न सांख्यिकी विधियों का चयन किया गया है। मध्यमान, मानक विचलन व टी–मूल्य

सारिणी संख्या 1 –

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	't' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम शिक्षार्थी	224	167.62	8.45	257	9.46	.01
	अंग्रेजी माध्यम शिक्षार्थी	35	153.46	8.2			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम शिक्षार्थी	165	166.37	7.69	299	15.53	.01
	अंग्रेजी माध्यम शिक्षार्थी	136	152.46	7.77			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम शिक्षार्थी	211	165.98	8.01	638	20.93	.01
	अंग्रेजी माध्यम शिक्षार्थी	429	151.81	8.14			

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना का लेखाचित्र–

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

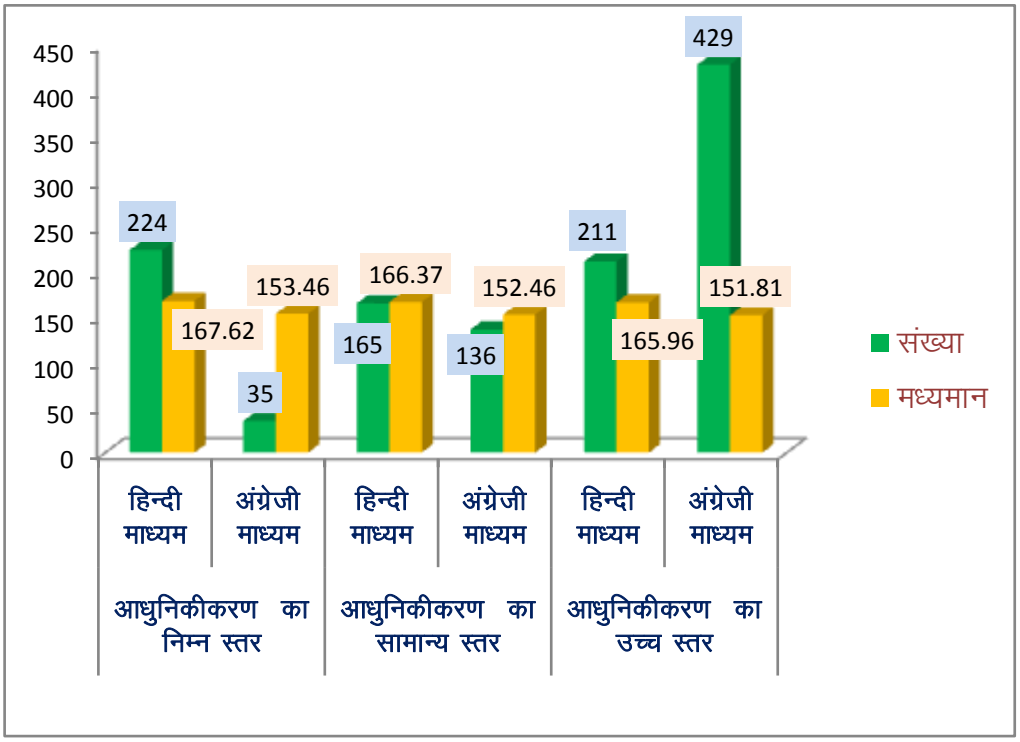

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम के **शिक्षार्थियों** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शिक्षार्थियों** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शिक्षार्थियों** के प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शिक्षार्थियों** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 1 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

सारिणी संख्या 2 –

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	'टी' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	142	169.97	8.06	175	10.70	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	35	153.46	8.2			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	75	169.48	7.66	155	12.80	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	82	153.71	7.77			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	83	169.48	8.15	264	14.36	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण शिक्षार्थी	183	154.37	7.5			

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम के **ग्रामीण शिक्षार्थियों** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **ग्रामीण शिक्षार्थियों** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **ग्रामीण शिक्षार्थियों** के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण **शिक्षार्थियों** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 2 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

सारिणी संख्या 3 –

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्रय संख्या	'टी' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्र	72	170.08	8.23	88	7.66	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्र	18	152.28	8.96			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्र	42	167.95	7.03	77	8.34	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्र	37	153.54	8.18			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्र	36	170.28	8.23	129	9.39	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्र	95	155.42	7.68			

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम के **ग्रामीण छात्रों** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **ग्रामीण छात्रों** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **ग्रामीण छात्रों** के प्राप्तांकों में .01

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **ग्रामीण छात्रों** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 3 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के ग्रामीण छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

सारिणी संख्या 4 –

उच्च माध्यमिक स्तर की हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम की ग्रामीण छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	't' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्राएं	70	169.86	7.93	85	7.48	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्राएं	17	154.71	7.38			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्राएं	33	171.42	8.08	76	9.78	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्राएं	45	153.84	7.5			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम ग्रामीण छात्रांए	47	168.84	8.12	133	11.6	.01
	अंग्रेजी माध्यम ग्रामीण छात्राएं	88	153.24	7.19			

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम की **ग्रामीण छात्राओं** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर की **ग्रामीण छात्राओं** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर की **ग्रामीण छात्राओं** के प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर की **ग्रामीण छात्राओं** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 4 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम की ग्रामीण छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

सारिणी संख्या 5 –

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के शहरी शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	'टी' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	82	163.55	7.57	80		.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	0	0.00	0			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	90	163.73	6.75	142	10.61	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	54	150.57	7.47			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	128	163.71	7.07	372	17.03	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी शिक्षार्थी	246	149.91	8.09			

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम के **शहरी शिक्षार्थियों** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी शिक्षार्थियों** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी शिक्षार्थियों** के प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी शिक्षार्थियों** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 5 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी शिक्षार्थियों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

सारिणी संख्या 6 –

उच्च माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के शहरी छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	'टी' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्र	38	165.34	7.27	36		.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्र	0	0.00	0			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्र	54	162.63	6.20	71	5.00	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्र	19	152.47	8.06			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्र	58	165.02	6.70	187	12.91	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्र	131	150.60	7.88			

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम के **शहरी छात्रों** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी छात्रों** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी छात्रों** के प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के **शहरी छात्रों** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 6 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के शहरी छात्रों के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

सारिणी संख्या 7 –

उच्च माध्यमिक स्तर की हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम की शहरी छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव की तुलना की सारिणी –

व्याख्या –

आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर व उच्च स्तरों पर हिन्दी माध्यम की **शहरी छात्राओं** का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ा है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक

	चर	निर्धारित मानदंडानुसार शिक्षार्थियों की संख्या	(राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों का) मध्यमान	प्रमाप विचलन	स्वातंत्र्य संख्या	'टी' मान	सार्थकता का स्तर
आधुनिकीकरण का निम्न स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्राएं	44	162	7.56	42		.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्राएं	0	0.00	0			
आधुनिकीकरण का सामान्य स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्राएं	36	165.39	7.28	69	9.33	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्राएं	35	149.54	7.03			
आधुनिकीकरण का उच्च स्तर	हिन्दी माध्यम शहरी छात्राएं	70	162.63	7.24	183	11.65	.01
	अंग्रेजी माध्यम शहरी छात्राएं	115	149.11	8.29			

स्तर की **शहरी छात्राओं** व अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर की **शहरी छात्राओं** के प्राप्तांकों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया है। तीनों स्तरों में हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर की **शहरी छात्राओं** में राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य अधिक पाये गये। अतः कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। परिकल्पना संख्या 7 '**हिन्दी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम की शहरी छात्राओं के आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**' को अस्वीकार किया जाता है।

शोधकर्त्री की टिप्पणी –

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 3, March- 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

शोधकर्त्री ने पाया कि आधुनिकीकरण के अन्तर्गत अंग्रेजी माध्यम के शिक्षार्थियों की संख्या अत्यधिक रही जबकि राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों की गणना में हिन्दी माध्यम के शिक्षार्थियों ने ज्यादा अंक प्राप्त किये। इससे स्पष्ट है कि अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों की अपेक्षा राष्ट्रीयता की भावना के मूल्य हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों में अधिक पाये गये। इसके साथ ही हिन्दी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों की अपेक्षा आधुनिकीकरण अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों में अधिक पाया गया।

शोधकर्त्री द्वारा इस अनुसंधान कार्य का मुख्य उद्देश्य आधुनिकीकरण का शिक्षार्थियों की राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना है, अतः आधुनिकीकरण के निम्न स्तर, सामान्य स्तर तथा उच्च स्तर के आधार पर सांख्यिकी द्वारा प्राप्त परिणामों में आधुनिकीकरण का राष्ट्रीयता की भावना के मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची : –

अस्थाना, वी. एवं श्रीवास्तव, वी. (2011). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन्स.

कपिल, एच.के. (2008). सांख्यिकी के मूल तत्व. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन्स.

गैरट, एच. ई. (1972). शिक्षा व मनोविज्ञान में सांख्यिकी. नई दिल्ली : कल्याणी पब्लिशर्स.

जैन, पी. एवं फड़िया, बी. एल. (2002). भारतीय शासन एवं राजनीति. आगरा : सहित्य भवन पब्लिकेशन्स.

पाठक, पी. डी. (2013). उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा के आधार एवं विकास. आगरा : श्री विनोद पुस्तक मंदिर.

सिंह, ए.के. (2014). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, 11वाँ (सं.). नई दिल्ली : मोतीलाल बनारसी दास.

मदान, अ. (2017 अगस्त). आधुनिकता, पहचान और शिक्षा. *शिक्षा विमर्श,* 19(4), 10–15.

Beck, U. (1992). Risk Society. Towards a new modernity. London : Safe.

Child, F. (2006). Dictionary of sociology. New York City : Philosophical Library.

Gilford, J.P. (1978). Fundamental Statistics in Psychology and Education. Newyork : Mecgraw hill book Company.

Tagore, R. (1921). Nationalism. London : Macmillan and Com.

Butch, M.B. (1978-83). Third survey of research in education (Vol. I). New Delhi : NCERT.

Bernstein, H. (1971). Modernization theory and the sociological study of Development. *The*

Journal of Development Studies, 7(2), 141-160.

Klinghoffer, A.J. (1973 March). Modernisation and Political Development in

Africa. *The Journal of Modern African Studies*, 11(1), 119.

http://shodhganga.inflibnet.ac.in

http://www.scotbuzz.org

http://googleweblight.com

www.answer.com

www.research.com

– सुमन सिहाग, रिसर्च फैलो, पीएच.डी. (शिक्षा), महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान)

– डॉ. संदीप शर्मा, ऐसोसिएट प्रोफेसर, ग्रामोत्थान विद्यापीठ शिक्षा महाविद्यालय, संगरिया – 335063 (राजस्थान)